जनता जितनी बेफिक्र हुई उससे ज्यादा प्रशासन ने आंखें मूंदी

न कंटेनमेंट जोन, न संक्रमित की निगरानी और न कांटेक्ट हिस्ट्री की तफ्तीश, इसलिए बढ़ा संक्रमण

कभी दो सौ से ज्यादा एरिया कंटेनमेंट थे भोपाल क्षेत्र में

टील के नाम पर सब कुछ किया बंद

जागरण संवाददाता, भोपाल

शहर में कोरोना संक्रमण का दूसरा दौर शुरू हो चुका है। पहले दौर में संक्रमण रोकने के लिए जितने भी जतन प्रशासन द्वारा किए जा रहे थे उन्हें बंद करने का नतीजा है कि दूसरे दौर में इतनी भयावह स्थितियां बन रहीं हैं। दो दिन से भोपाल में तीन सौ से ज्यादा मरीज सामने आ रहे हैं। इससे साफ नजर आता है कि शहर फिर से जुलाई और अगस्त वाले दिनों में लौट रहा है। जब कोरोना संक्रमण लोगों के लिए जानलेवा बन चुका था।

पहला मरीज मिलने पर किया था मोहल्ला सील

राजधानी में कोरोना संक्रमण का पहला मरीज 22 मार्च को प्रोफेसर कॉलोनी में मिला था। इसके बाद जिला प्रशासन ने पूरी कॉलोनी को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया था। करीब 15 दिनों तक प्रोफेसर कॉलोनी के लोग घरों में कैद रहे थे। इसी तरह जैसे-जैसे शहर में मरीज मिलते गए उस-उस क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन में बदल दिया गया। इसका फायदा यह हुआ था कि लॉकडाउन के दौरान शहर में कोरोना मरीजों की संख्या धीमी रफ्तार से बढ़ रही थी।

क्वारेंटाइन सेंटर किए बंद, होम आईसोलेशन पर नजर नहीं

अक्टूबर के महीने में जैसे ही संक्रमण के नए मामलों में कमी आई, जिला प्रशासन ने सभी क्वारेंटाइन सेंटरों को बंद करना शुरू कर दिया। इससे संक्रमित व्यक्ति के परिजन व संपर्क में आए हुए लोग खुलेआम बाजारों में घूमते रहे। दूसरी ओर जो लोग संक्रमित हुए उन्हें होम आईसोलेशन में रहने अनुमति सरकार ने दे दी, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने होम आईसोलेशन वालों की सतत निगरानी नहीं की। लिहाजा आज नतीजा सबके सामने है।

लोगों के आने-जाने का रखा जा रहा था हिसाब

संक्रमण की चैन को तोड़ने के लिए प्रशासन 24 घंटे काम कर रहा था। इसमें शहर से बाहर जाने वाले और शहर के अंदर आने वाले लोगों की निगरानी की जा रही थी। इस काम में पुलिस, राजस्व और परिवहन विभाग के कर्मचारी दिन रात काम कर रहे थे। इसका फायदा यह था कि संक्रमित व्यक्ति की ट्रेवल हिस्ट्री के आधार पर उसके संपर्क में आए लोगों को ढूंढकर उनका टेस्ट किया जाता था। जिससे संक्रमण को रोकने में मदद मिल रही थी।

बीते सात दिनों की कांटेक्ट हिस्ट्री के थे बहुत मायने

शहर को संक्रमण विस्फोट से बचाने के लिए मार्च से लेकर मई के महीने तक जिला प्रशासन ने बहुत सक्रियता से काम किया। इसमें कोरोना पॉजिटिव आने वाले व्यक्ति के संपर्क में आए बीते सात दिनों के लोगों को खोजा जाता था। प्रतिदिन उनकी स्क्रीनिंग होती थी। संक्रमित व्यक्ति के साथ-साथ के संपर्क में आने वाले लोगों को क्वारेंटाइन किया जाता था। इससे संक्रमण को रोकने में काफी हद तक सफलता मिली थी।

कोरोना से बचाव के लिए ट्रैफिक पुलिस ने बांटे मास्क, दो पुलिसकर्मियों के चालान काटे

कोरोना वायरस से बचाव और लोगों में जागरुकता फैलाने के मकसद से शनिवार को ट्रैफिक पुलिस ने शहर के तिराहे-चौराहे पर मास्क बांटे। एनजीओ और व्यापारी संघ की मदद से यह अभियान चलाया गया। एएसपी ट्रैफिक संदीप दीक्षित, डीएसपी गोविंद बिहारी रावत ने स्टाफ के मिलकर दोपहर में रोशनपरा चौराहे पर मास्क बांटे। इसी दौरान दो पुलिसकर्मी बिना मास्क के निकले। एएसपी दीक्षित ने उनका सौ-सौ रुपए का चालान बनाया। हालांकि अन्य राहगीरों को समझाइश दी और उन्हें मास्क बांटे। इसके अलावा सीआई चैरिटेबल ट्रस्ट के वॉलेंटियर्स ने रत्नागिरी तिराहे पर नुक्कड़ नाटक कर मास्क व सेनिटाइजर बांटे।

न्यू मार्केट में रात 9 बजे बाजार बंद कराती पुलिस।

कार्रवाई के दौरान अफसरों से बहस, व्यापारी बोले

मना करने के बाद भी भीड़ लगा लेते हैं ग्राहक

प्रशासन ने न्यू मार्केट, दस नंबर और एमपी नगर क्षेत्र में चलाया गया अभियान समझाईश के साथ काटे गये चालान

शहर संवाददाता, भोपाल

राजधानी में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। बावजूद इसके दुकानदारों से लेकर बाजारों में खरीददारी करने जा रहे लोग लापरवाह बने हुए हैं। शनिवार को शहर में प्रशासन की कार्रवाई में कुछ ऐसा ही देखने को मिला। जहां छोटे दुकानदार से लेकर बड़े शो-रूम में मास्क और दो गज दूरी का पालन देखने को नहीं मिला। कार्रवाई करने पर व्यापारी ग्राहकों को दोषी ठहरा रहे हैं। उनका कहना है कि मना करने के बाद भी एक साथ आ रहे हैं। हालांकि प्रशासन ने इनके तर्कों को दरकिनार करते हुए चालानी कार्रवाई की। इस दौरान विमल एम्पोरियम, हुंडई, राजस्थान स्वीट्स सहित दो दर्जन से अधिक छोटे-बड़े दुकानदारों पर कार्रवाई की गई।

दरअसल, संक्रमण को देखते हुए कलेक्टर के निर्देश पर सभी एसडीएम अपने-अपने क्षेत्र में कार्रवाई कर रहे हैं। इसके तहत शहर के टीटी नगर, एमपी नगर और कोलार सर्कल में राजस्व अमले ने कार्रवाई की। टीटी नगर सर्कल के अमले ने एडीएम उमराव मरावी के नेतृत्व में कार्रवाई की। इस दौरान विमल एम्पोरियम में भीड़ मिलने पर 5000 हजार का जुर्माना किया गया। इस दौरान अमले की और व्यापारी के बीच थोड़ी बहस भी हुई। बाद में इसी दुकान के बगल में एक होजरी की दुकान पर भी 5000 हजार का जुर्माना किया गया। यहां पर संचालक मास्क तो पहने हुए थे, लेकिन वो ठुड्डी पर लटका हुआ था। वहीं दो अन्य स्टोर पर दो हजार और एक हजार का जुर्माना टीम ने किया। चूना भट्टी में एक अन्य टीम ने हुंडई और राजस्थान स्वीट्स पर 7000 हजार की चालानी कार्रवाई की। सभी जगह पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं किया जा रहा था।

असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती में नियम भूलीं डीन, एमटीए ने दी आंदोलन की धमकी

कार्यरत डेमोंस्ट्रेटर को वरीयता नहीं मिलने से नाराज है संघ

जागरण संवाददाता, भोपाल

गांधी मेडिकल कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के 21 पदों पर भर्ती निकली है। इस भर्ती प्रक्रिया को लेकर मेडिकल टीचर एसोसिएशन ने डीन के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई है। एसोसिएशन का कहना है कि इस भर्ती प्रक्रिया में उस नियम का पालन नहीं किया गया है, जिसमें पहले से संस्थान में कार्यरत डेमोंस्ट्रेटर को सीधी भर्ती में वरीयता दी जाना है। जबकि वर्ष 2018 और 2019 में इस नियम का अक्षरशः पालन किया गया है। लेकिन इस बार इस नियम की अनदेखी की गई है। एसोसिएशन के सचिव डॉ. राकेश मालवीय ने बताया कि हमने इस संबंध में शिकायत दर्ज करा दी है, संभागायुक्त को भी अवगत करा दिया है। यदि त्रुटि नहीं सुधारी गई तो जीएमसी में मेडिकल टीचर एसोसिएशन आंदोलन के लिए विवश होगा।

क्या है पूरा मामला : एमटीए के सचिव ने बताया कि चिकित्सा शिक्षा विभाग स्वशासी महाविद्यालय के सेवा भर्ती नियम के अनुसार यदि संस्थान में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद रिक्त हैं या नए सृजित किए गए हैं तो उन पर भर्ती के लिए पहले एक आंतरिक विज्ञप्ति जारी की जाती है। जिसमें संस्था में पहले से कार्यरत डेमोंस्ट्रेटर को वरीयता दिए जाने का प्रावधान है, बशर्ते डेमोंस्ट्रेटर सभी अर्हताएं पूरी करता हो। लेकिन इस बार जीएमसी डीन डॉ. अरुणा कुमार जो भर्ती की जा रही है, उसका आंतरिक विज्ञापन नहीं किया गया है। जिससे हमें परेशानी है। ऐसा न करने से हमारे संस्था में पहले से कार्यरत डेमोंस्ट्रेटर के साथ अन्याय होगा और वह बिना वजह कॉम्पीटशन का हिस्सा बन जाएंगे।

हमने किसी भी नियम को नहीं तोड़ा है और न किसी नियम की अवहेलना की है। वर्ष 2018 व 2019 की विज्ञप्ति का अवलोकन करने के बाद ही नई विज्ञप्ति जारी की गई है।

डॉ. अरुणा कुमार, डीन जीएमसी

पीएम की फोटो पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाला गिरफ्तार

भोपाल। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फोटो वायरल कर उस पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले आरोपी को बागसेवनिया पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने करीब दो माह पहले एक वाट्सएप ग्रुप पर उक्त पोस्ट की थी। मामले की जानकारी सायबर पुलिस को मिली तो यह मामला शुक्रवार को बागसेवनिया थाने भेजा गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, अमराई बागसेवनिया निवासी 28 वर्षीय हसन खान ने उक्त पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल की थी। हसन रेलवे के एक ठेकेदार के पास इलेक्ट्रिशियन का काम करता है। उसने पुलिस को बताया कि करीब दो माह पहले उसने एक वाट्सएप ग्रुप पर प्रधानमंत्री के नाम से पोस्ट की थी, जिसे बाद में उसने हटा दिया था। वह उस ग्रुप से भी हट गया था और उसने अपने मोबाइल से वाट्सएप ग्रुप डिलीट कर दिया था। पुलिस ने हसन के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

चिटफंड कंपनी का तीसरा आरोपी गिरफ्तार, करता था पैसों की उगाही

सात राज्यों में फैला रखा था जाल, दिसंबर में आफिस में ताला डाल मुंबई भागने वाले थे आरोपी

बैरागढ़ आफिस से 15 हजार और आनंद नगर से 3000 रुपए नकदी बरामद

हमारे संवाददाता, भोपाल

पांच साल में दोगुनी रकम करने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाली चिटफंड कंपनी श्रीस्वामी विवेकानंद मल्टी स्टेट क्रेडिट को-आपरेटिव सोसायटी ने सात राज्यों में ठगी का जाल फैला रखा था। संचालक आगामी दिसंबर माह में मप्र के आफिसों में ताला डालकर मुंबई भागने वाले थे। जहां से विदेश भागने की फिराक में थे। इससे पहले राजधानी पुलिस ने उनका भंडाफोड़ कर मुख्य सरगना विनोद तिवारी और साथी अंगद कुशवाहा को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल दोनों पुलिस रिमांड पर हैं। पुलिस ने उनके तीसरे साथी शशांक श्रीवास्तव को उसके अयोध्या नगर स्थित घर से देर रात दो बजे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी भागने की कोशिश में था और सूटकेस लेने घर पहुंचा था, जहां पहले से तैनात पुलिस की एक टीम ने उसे दबोच लिया। बताया गया है कि शशांक ग्राहकों से पैसों की उगाही करता था। वह आनंद नगर पिपलानी की ब्रांच संभालता था। इधर, पुलिस ने बैरागढ़ स्थित आरोपियों के दफ्तर से 15 हजार रुपए और आनंद नगर से 3 हजार रुपए नकदी बरामद की है।

एजेंट को 2-10 फीसदी कमीशन : एएसपी राजेश सिंह भदौरिया ने बताया कि पुलिस की रिमांड पर चल रहे आरोपी विनोद तिवारी और अंगद कुशवाहा ने पूछताछ में बताया कि उनका मप्र समेत यूपी, छत्तीसगढ़, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और मुंबई में नेटवर्क फैला हुआ है। वे एजेंट को ग्राहकों से मिली रकम का 2-10 फीसदी कमीशन या 5-20 हजार रुपए मासिक सेलरी पर रखते थे। साथ ही एजेंट ज्यादा से ज्यादा काम करें इसके लिए उन्हें अल्टो, स्कॉर्पियो कार टारगेट पूरा करने पर दे रहे थे। आरोपियों के प्रत्येक दफ्तर में 6-7 कंप्यूटर आपरेटर रखे गए थे, जिन्हें सेलरी दी जाती थी।

18 हजार रुपए और दस्तावेज बरामद

मप्र के सात जिलों में 2-3 साल से आरोपियों ने ठगी के दफ्तर खोल रहे थे। वे अब तक 5 हजार से अधिक लोगों से 50 करोड़ से ज्यादा की ठगी कर चुके हैं। अधिकांश पैसा मुंबई हेड आफिस भेजा जाता था। जहां यह पैसा हवाला के जरिए अलग-अलग बिजनेस में उपयोग लाया जा रहा था। धोखाधड़ी और अमानत में खयानत के इस मामले में पिपलानी पुलिस ने शनिवार को बैरागढ़ और आनंद नगर स्थित आफिस में छापा मारकर कार्रवाई कर 18 हजार रुपए समेत अहम दस्तावेज बरामद किए हैं। विदिशा के गंजबासौदा में भी आरोपियों का एक ठिकाना है, जिसके लिए एक टीम रवाना हो चुकी है। ज्ञात हो कि शुक्रवार को पुलिस ने आरोपियों के बैंक खाते से 66 लाख और घरों व अन्य ठिकानों से एक करोड़ 33 लाख 77 हजार रुपए बरामद किए थे।

डॉक्टर चिंतित, दे रहे लोगों को कोरोना से बचने की सलाह

वैक्सीन आने तक रहें सतर्क, बरतें सावधानी

जागरण संवाददाता, भोपाल

कोरोना संक्रमण के फिर से सक्रिय होने से एक तरफ जहां सरकार चिंतित है। वहीं शहर के डॉक्टर भी लोगों की सेहत की फिक्र कर रहे हैं। यही कारण है कि कई चिकित्सक अपनी निजी क्लीनिक की बजाए फोन पर मरीजों को परामर्श दे रहे हैं, ताकि मरीज घर से न निकले। वहीं कुछ चिकित्सकों ने अपने अस्पताल और क्लीनिक में कोरोना संक्रमण से बचने उपाए लिख रखे हैं।

हम दुनिया को एक सीख दे सकते हैं: डॉ. सरमन सिंह

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल के निदेशक डॉ. सरमन सिंह का कहना है कि भारत ने कोरोना संक्रमण के पहले चक्र में भी कई सकारात्मक उदाहरण पेश किए थे। जिसे देखते विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हमारी तारीफ की थी। अब फिर वही मौका हमारे पास है, लोगों को चाहिए कि वह कोविड-19 प्रोटोकॉल का पूरा पालन करें। ताकि इस दूसरे चक्र में भी हम कम से कम संक्रमित हो सकें।

बच्चों और वृद्धों का ध्यान रखें: डॉ. लोकेन्द्र दवे

कोरोना संक्रमण से बचने के लिए गांधी मेडिकल कॉलेज के सांस रोग विशेषज्ञ और कोरोना कंट्रोल कमेटी के स्टेट कॉ-ओर्डिनेटर डॉ. लोकेन्द्र दवे का कहना है कि आम जन को संक्रमण से बचाने के लिए सरकार द्वारा तमाम तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। इससे में जनता को भी सहयोग देना चाहिए। इसलिए जरूरी है कि लोग बिना वजह घर से न निकलें, बाजारों में मास्क का उपयोग अनिवार्य रूप से करें।

हेल्थ वर्कर से पूछें कोरोना क्या चीज है: डॉ. राकेश

भोपाल में एक दम से बढ़ते कोरोना संक्रमण को लेकर चारो तरफ हाहाकार मचा हुआ है। ऐसे में मप्र मेडिकल टीचर एसोसिएशन के सचिव डॉ. राकेश मालवीय ने जनता से अपील की है कि वह संयम बरतें और हर तरह की सावधानी बरतें। उन्होंने बताया कि आमजन में जिस किसी को भी कोरोना संक्रमण की भयावहता जानना है वह उन हेल्थ वर्कर से जान सकते हैं जिन्होंने बीते महीनों में कोविड वार्ड में ड्यूटी की है।

एंकर स्टोरी | हॉल में सौ लोग और गार्डन में अधिकतम 200 ही हो सकेंगे शामिल, रात दस बजे बंद होंगी शराब दुकानें

शादी समारोह में अब दूल्हा-दुल्हन के साथ बारातियों को भी पहनना होगा मास्क

जहां अधिक संक्रमित मिले वहां फिर बनेंगे कंटेनमेंट जोन जिला आपदा प्रबंधन की बैठक में लिये गये फैसले

शहर संवाददाता, भोपाल

राजधानी में तेजी से बढ़ रहे कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा की अध्यक्षता में भोपाल आपदा प्रबंधन की बैठक आयोजित हुई। बैठक में पीएसओ का पालन सख्ती से कराने का निर्णय लिया गया। वहीं राजधानी में होने वाले विवाह समारोह के लिए भी संख्या तय की गई। इसके तहत हॉल में 100 एवं खुले में 200 से अधिक लोग शामिल नहीं हो सकेंगे। समारोह में शामिल दुल्हा-दुल्हन सहित बरातियों को मास्क अनिवार्य रूप से पहनना होगा। इसी तरह कार्यालयों में भी बिना मास्क के प्रवेश वर्जित किया जाएगा। जिन क्षेत्रों में अधिक संख्या में संक्रमित सामने आ रहे हैं, वहां फिर से कंटेनमेंट क्षेत्र बनाने का निर्णय लिया गया। यह प्रस्ताव बना कर शासन को भेजा जाएगा। बैठक में कलेक्टर अविनाश लवानिया, डीआईजी इरशाद वली, पूर्व मंत्री एवं विधायक पीसी शर्मा, विधायक विष्णु खत्री सहित अन्य मौजूद रहे। दरअसल, सरकार ने जिला कलेक्टरों से आपदा प्रबंधन कमेटी की बैठक कर कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए सुझाव मांगे थे। इसी कड़ी में शनिवार को विधानसभा में प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सरकार को भेजे जाने वाले सुझावों पर चर्चा की गई।

व्यापारियों के फैसले का किया स्वागत

भोपाल के व्यापारियों ने खुद आगे आकर रात आठ बजे तक दुकानें बंद करने का निर्णय लिया है, साथ ही वे साप्ताहिक अवकाश के तहत सप्ताह में एक दिन दुकानें भी बंद रखेंगे। इसका बैठक में सभी ने स्वागत किया है। साथ ही व्यापारियों को धन्यवाद भी दिया।

मॉर्निंग वॉक हो या ईवनिंग वॉक मास्क पहनना होगा

जिला आपदा प्रबंधन की बैठक में प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा ने कहा कि चाहे मॉर्निंग वॉक हो या ईवनिंग वॉक, मास्क जरूर लगाए। कोई सामान बेचे या खरीदे उस वक्त भी मास्क अनिवार्य है। जो मास्क नहीं लगाएगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही शादी समारोह में 200 से ज्यादा लोगों को नहीं बुलाया जा सकेगा। शर्मा ने कहा कि जीवन जीने के लिए मास्क और दो गज की दूरी बेहद जरूरी है। इसका पालन तब तक करें, जब तक इसकी दवा नहीं आ जाती है। उन्होंने कहा कि बाराती हो या दुल्हा सभी को मास्क पहनना अनिवार्य होगा। साथ ही मास्क और दो गज की दूरी का पालन नहीं करने वालों पर सख्ती करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

यह भी लिए निर्णय

- दो पहिया और चार पहिया में बैठने वाले सभी लोगों को मास्क अनिवार्य रूप से पहनना होगा।
- शराब दुकानें रात दस बजे और बाजार आठ बजे बंद होंगे।
- मास्क नहीं पहनने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।
- नाईट कर्फ्यू में किसी तरह की रियायत नहीं दी जाएगी। बाहर से आने-जाने वालों को टिकट साथ रखना होगा।